

## ये तेरी एक नज़र | by Sona Jadhav

ये तेरी एक नज़र का है मेरे श्याम असर  
मौज से होता बसर मेरे श्याम

दिल की बातें मेरी होंठों ने कही  
ज़िन्दगी में कोई कमी ना रही  
करता तू मेरी फिकर रहता हूँ बेफिकर  
मौज से होता बसर मेरे श्याम  
ये तेरी एक नज़र-----

जो न सोचा था मुझे तूने दिया  
मैंने हर पल तुम्हारा शुक्र किया  
यूँ ही रखना मुझ पर सांवरे अपनी महर  
मौज से होता बसर मेरे श्याम  
ये तेरी एक नज़र-----

अब ना रहता हूँ कभी मैं गुमसुम  
ज़िन्दगी बन गए जबसे मेरी तुम  
भटका कुंदन दर दर अब हुआ खत्म सफर  
मौज से होता बसर मेरे श्याम  
ये तेरी एक नज़र-----

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%af%e0%a5%87-%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%8f%e0%a4%95-%e0%a4%a8%e0%a4%9c%e0%a4%bc%e0%a4%b0-by-sona-jadhav/>